चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 12 अक्टूबर 2026, अंक –377.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

"कर्म प्रधान विश्व रचि राखा।" — तुलसीदास

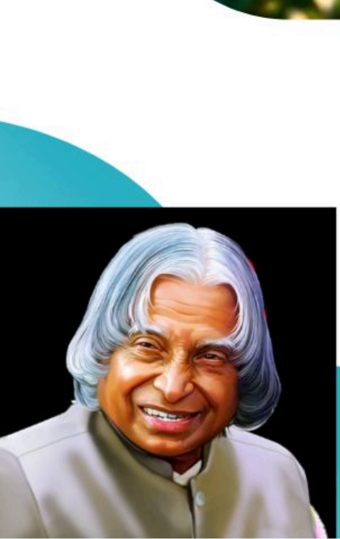

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. लाओस की राजधानी क्या है?
उत्तर: वियनतियाने
प्रश्न 2. भारत का पहला कृत्रिम उपग्रह कौन-सा था?
उत्तर: आर्यभट्ट
प्रश्न 3. 'रौफ' किस केंद्रशासित प्रदेश का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: जम्मू-कश्मीर
प्रश्न 4. 200 का 15% कितना होगा?
उत्तर: 30
प्रश्न 5. बिहार के औरंगाबाद जिले में स्थित ऐतिहासिक दाऊद खाँ का किला किस नगर से जुड़ा है?
उत्तर: दाउदनगर
प्रश्न 6. कौन-सा पक्षी मनुष्य की आवाज़ और कई तरह की ध्वनियों की नकल कर सकता है?
उत्तर: तोता
प्रश्न 7. वर्ल्ड वाइड वेब (WWW) का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: टिम बर्नर्स-ली
प्रश्न 8. भारत में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस कब मनाया जाता है?
उत्तर: 24 अप्रैल
प्रश्न 9. 'आकाश' का एक पर्यायवाची शब्द बताइए।
उत्तर: नभ
प्रश्न 10. दाँतों को स्वस्थ रखने के लिए दिन में कम-से-कम कितनी बार ब्रश करना चाहिए?
उत्तर: दो बार

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Taxation - टैक्सेशन - कराधान
2️⃣ Subsidy - सब्सिडी - आर्थिक सहायता / अनुदान
3️⃣ Tariff - टैरिफ - शुल्क / सीमा-शुल्क
4️⃣ Dividend - डिविडेंड - लाभांश
5️⃣ Mortgage - मॉर्गेज - बंधक ऋण
6️⃣ Inflation - इन्फ्लेशन - मुद्रास्फीति
7️⃣ Recession - रिसेशन - आर्थिक मंदी

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Which + noun + are you going to + V1?"
(तुम कौन-सा/कौन-सी ... करने वाले हो?)

तुम कौन-सी किताब पढ़ने वाले हो? – Which book are you going to read?
तुम कौन-सा खेल खेलने वाले हो? – Which game are you going to play?
तुम कौन-सी पोशाक पहनने वाले हो? – Which dress are you going to wear?
तुम कौन-सा रास्ता चुनने वाले हो? – Which route are you going to choose?
तुम कौन-सी भाषा सीखने वाले हो? – Which language are you going to learn?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 12 अक्टूबर को कोलंबस द्वारा अमेरिकी महाद्वीप की खोज तथा लैटिन अमेरिका की बहुसांस्कृतिक विरासत के सम्मान में कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: कोलंबस दिवस (Día de la Raza / हिस्पैनिक दिवस)
व्याख्या: 12 अक्टूबर 1492 को क्रिस्टोफर कोलंबस ने अमेरिकी महाद्वीप (बहामास के गुआनाहानी द्वीप) पर पहली बार कदम रखा था। इस ऐतिहासिक घटना की स्मृति में स्पेन, संयुक्त राज्य अमेरिका और लैटिन अमेरिकी देशों में प्रतिवर्ष 12 अक्टूबर को 'कोलंबस दिवस' (स्पेन में 'राष्ट्रीय दिवस' तथा लैटिन अमेरिका में 'दिया दे ला राजा' यानी सांस्कृतिक विरासत दिवस) के रूप में मनाया जाता है। आधुनिक समय में यह दिवस यूरोपीय और मूल अमेरिकी (स्वदेशी) संस्कृतियों के ऐतिहासिक संगम, उनके संघर्षों और लैटिन अमेरिकी समाजों की भाषाई व सांस्कृतिक विविधता पर विमर्श का मंच बन गया है।
संदर्भ: United Nations Multiculturalism Studies;

प्र.2. भौतिकी के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार 2026 'अल्ट्राफास्ट लेजर और एटोसेकंड स्पेक्ट्रोस्कोपी' के माध्यम से पदार्थों में इलेक्ट्रॉनों की अत्यंत तीव्र गतिशीलता के मापन हेतु किन अग्रणी वैज्ञानिकों को देने की घोषणा की गई? (समसामयिक घटना)
उत्तर: भौतिकी नोबेल पुरस्कार 2026 (एटोसेकंड भौतिकी शोध)
व्याख्या: अक्टूबर 2026 में रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा 'भौतिकी का नोबेल पुरस्कार 2026' प्रकाश के अत्यंत छोटे स्पंदों (Attosecond Light Pulses) को उत्पन्न करने और उनके माध्यम से परमाणुओं व अणुओं के भीतर इलेक्ट्रॉनों की गतिशीलता को मापने वाले अग्रणी भौतिकविदों को प्रदान करने की घोषणा की गई। एक एटोसेकंड सेकंड का 10^{-18} वां भाग होता है। इस तकनीक ने वैज्ञानिकों के लिए यह संभव बनाया है कि वे रासायनिक बंधों के टूटने और बनने के दौरान इलेक्ट्रॉनों के प्रवाह को वास्तविक समय में 'फ्रीज-फ्रेम' कर सकें। इसका अनुप्रयोग अगली पीढ़ी के अल्ट्राफास्ट सेमीकंडक्टर और आणविक इलेक्ट्रॉनिक्स में क्रांतिकारी माना जा रहा है।
संदर्भ: Royal Swedish Academy of Sciences Press Release October 2026;

प्र.3. राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित वह कौन-सा अमर खंडकाव्य है, जिसमें महाभारत के उपेक्षित वीर कर्ण के पराक्रम, दानशीलता और सामाजिक न्याय के संघर्ष का ओजस्वी चित्रण है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: रश्मिरथी (1952)
व्याख्या: 'रश्मिरथी' (1952) आधुनिक हिंदी साहित्य के मूर्धन्य कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित सात सर्गों का एक विख्यात खंडकाव्य है। इसका शाब्दिक अर्थ है — 'सूर्य की किरणों के रथ पर सवार'। इसमें महाभारत के महारथी कर्ण के जीवन, उसके जन्मजात कलंक (सूतपुत्र कहे जाने की पीड़ा), जाति-आधारित भेदभाव के विरुद्ध विद्रोह, परशुराम से विद्या प्राप्ति, दुर्योधन के साथ अटूट मैत्री और भगवान कृष्ण के समक्ष उसके निर्भीक सिद्धांतों का ओजस्वी व दार्शनिक निरूपण है। दिनकर जी ने कर्ण के माध्यम से यह संदेश दिया है कि मनुष्य की श्रेष्ठता उसके जन्म या जाति से नहीं, बल्कि उसके कर्म और पुरुषार्थ से तय होती है।
संदर्भ: रामधारी सिंह 'दिनकर' — 'रश्मिरथी', लोकभारती प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अंतरा भाग-2 साहित्य

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी भी जल निकाय में शैवालों की अत्यधिक वृद्धि (Algal Bloom) के पश्चात उनके अपघटन हेतु सूक्ष्मजीवों द्वारा जल में घुली ऑक्सीजन की मांग को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (BOD / Biochemical Oxygen Demand)
व्याख्या: जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (BOD) जल प्रदूषण और जल गुणवत्ता का सबसे प्रमुख वैज्ञानिक सूचकांक है। यह ऑक्सीजन की वह मात्रा है जो जल के एक निश्चित आयतन में उपस्थित समस्त कार्बनिक पदार्थों को विघटित करने के लिए जीवाणुओं और अन्य सूक्ष्मजीवों द्वारा उपयोग की जाती है। जब किसी जलाशय में सीवेज या कृषि रसायनों के कारण सुपोषण (Eutrophication) होता है, तो कार्बनिक भार बढ़ने से सूक्ष्मजीवों की संख्या और BOD का मान अत्यधिक बढ़ जाता है। BOD जितना अधिक होगा, जल में घुलित ऑक्सीजन (DO) उतनी ही घट जाएगी, जिससे मछलियों और अन्य जलीय जीवों का दम घुटने से सामूहिक विनाश हो जाता है।
संदर्भ: NCERT Chemistry Class 11, Ch 14 "पर्यावरणीय रसायन", p. 408–411;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बिहार के छोटानागपुर (सिंहभूम) क्षेत्र में 'हो' और 'मुंडा' जनजातियों को संगठित कर ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध भीषण विद्रोह करने वाले अमर जननायक कौन थे? (इतिहास)
उत्तर: राजा अर्जुन सिंह (पोरहाट)
व्याख्या: राजा अर्जुन सिंह 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में छोटानागपुर के पोरहाट (सिंहभूम) राज्य के प्रतापी राजा और जननायक थे। चाईबासा के विद्रोही सैनिकों ने जब ब्रिटिश खजाना लूटा, तो राजा अर्जुन सिंह ने उन्हें शरण दी और सिंहभूम के हजारों लड़ाकू 'हो' और 'मुंडा' आदिवासियों को तीर-धनुषों के साथ संगठित कर अंग्रेजों के विरुद्ध खुला युद्ध छेड़ दिया। उन्होंने ब्रिटिश सेनापति कर्नल बर्च की सेना को कई बार पीछे हटने पर मजबूर किया। उन्होंने कभी अंग्रेजों की अधीनता स्वीकार नहीं की। अंततः अपने विश्वस्त साथियों के पकड़े जाने के बाद 1859 में उन्होंने आत्मसमर्पण किया और उन्हें जीवन भर के लिए वाराणसी में निर्वासित कर नजरबंद रखा गया।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बा

प्र.6. पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट पर्वत श्रृंखलाएं दक्षिण भारत के किस पहाड़ी ग्रंथि (Knot) पर आपस में मिलती हैं, जहाँ प्रसिद्ध 'डोडाबेट्टा' पर्वत शिखर स्थित है? (भूगोल)
उत्तर: नीलगिरी पहाड़ियाँ (Nilgiri Hills)
व्याख्या: नीलगिरी पहाड़ियाँ (Blue Mountains) दक्षिण भारत के तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक राज्यों के सीमा संगम पर स्थित एक प्रमुख पर्वतीय ग्रंथि हैं। यह वह भौगोलिक स्थल है जहाँ भारत के दोनों प्रमुख तटीय पर्वत — पश्चिमी घाट और पूर्वी घाट आपस में मिलते हैं। नीलगिरी का सर्वोच्च शिखर 'डोडाबेट्टा' (Doddabetta - 2,637 मीटर) है, जो दक्षिण भारत की दूसरी सबसे ऊंची चोटी है। यह क्षेत्र 1986 में भारत का प्रथम 'बायोस्फीयर रिजर्व' (UNESCO MAB) घोषित किया गया था। यहाँ प्रसिद्ध पर्वतीय पर्यटन स्थल ऊटी (उदगमंडलम), शोला वन, विस्तृत चाय के बागान और स्थानीय 'टोडा' जनजाति का पारंपरिक पर्यावास स्थित है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 12–14;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य को संपूर्ण भारत के राज्यक्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता (Uniform Civil Code - UCC) सुरक्षित करने का प्रयास करने का निर्देश देता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 44 (राज्य के नीति निदेशक तत्व)
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-IV में राज्य की नीति के निदेशक तत्वों (DPSP) के अंतर्गत 'अनुच्छेद 44' एक समान नागरिक संहिता से संबंधित है। यह उपबंध करता है कि "राज्य, भारत के समस्त राज्यक्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता प्राप्त कराने का प्रयास करेगा।" इसका मुख्य उद्देश्य विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे नागरिक मामलों में सभी धर्मों, जातियों और समुदायों के लिए एक समान विधिक व्यवस्था स्थापित करना है। भारत में गोवा राज्य में पुर्तगाली सिविल कोड 1867 के रूप में यह पहले से लागू है, तथा हाल ही में उत्तराखंड राज्य ने स्वतंत्र भारत में पहली बार यूसीसी अधिनियम को लागू किया है।
संदर्भ: Constitution of India, Part IV, Article 44; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 2 Fundamental Rights & DPSPs, p. 43–46;

प्र.8. किसी गोलीय दर्पण की वक्रता त्रिज्या (R) और उसकी मुख्य फोकस दूरी (f) के मध्य क्या गणितीय संबंध होता है, और यह नियम किस प्रकार के दर्पणों पर लागू होता है? (विज्ञान)
उत्तर: $f = R / 2$ (फोकस दूरी वक्रता त्रिज्या की आधी होती है); अवतल व उत्तल दोनों दर्पणों पर
व्याख्या: प्रकाशिकी में छोटे द्वारक (Aperture) वाले सभी गोलीय दर्पणों (अवतल दर्पण और उत्तल दर्पण दोनों) के लिए मुख्य फोकस बिंदु (F), दर्पण के ध्रुव (P) और वक्रता केंद्र (C) के ठीक मध्य बिंदु पर स्थित होता है। अतः ध्रुव से फोकस तक की दूरी (फोकस दूरी, f) ध्रुव से वक्रता केंद्र तक की दूरी (वक्रता त्रिज्या, R) की ठीक आधी होती है। गणितीय संबंध: $f = R / 2$ या $R = 2f$। उदाहरण के लिए, यदि किसी अवतल दर्पण की वक्रता त्रिज्या 20 सेमी है, तो उसकी फोकस दूरी ठीक 10 सेमी होगी। यह मूलभूत नियम दर्पण सूत्र $1/f = 1/v + 1/u$ के निगमन का मुख्य आधार बनता है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 177–180;

प्र.9. 8वीं शताब्दी में राष्ट्रकूट राजा कृष्ण प्रथम द्वारा महाराष्ट्र के औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर) में सह्याद्रि की एक ही विशाल बेसाल्ट चट्टान को ऊपर से नीचे काटकर बनाया गया एलोरा का विख्यात मंदिर कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: कैलाश मंदिर (एलोरा गुफा संख्या-16)
व्याख्या: एलोरा का कैलाश मंदिर (गुफा 16) पाषाण-शिल्प और एकाश्म वास्तुकला (Monolithic Rock-cut Architecture) का पूरे विश्व में सबसे अद्वितीय और विस्मयकारी चमत्कार माना जाता है। इसका निर्माण 8वीं शताब्दी (लगभग 756–774 ईस्वी) में राष्ट्रकूट वंश के प्रतापी राजा कृष्ण प्रथम ने करवाया था। पारंपरिक निर्माण के विपरीत, वास्तुकारों ने इसे किसी पत्थर को जोड़कर नहीं, बल्कि पूरी पहाड़ी को ऊपर से नीचे (Top to Bottom) की ओर तराशते हुए लगभग 2 लाख टन बेसाल्ट पत्थर को काटकर बाहर निकाला था। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और द्रविड़ शैली में निर्मित है। इसके विशाल नंदी मंडप, गोपुरम और दीवारों पर रावण द्वारा कैलाश पर्वत उठाने का प्रसिद्ध शिल्प उकेरा गया है। 1983 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।
संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 82–85;

प्र.10. 1922 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 37वां वार्षिक अधिवेशन बिहार के किस ऐतिहासिक शहर में आयोजित हुआ था, जिसकी अध्यक्षता देशबंधु चित्तरंजन दास ने की थी? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: गया (Gaya)
व्याख्या: दिसंबर 1922 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 37वां वार्षिक अधिवेशन बिहार के पवित्र नगर 'गया' में आयोजित हुआ था। इस अधिवेशन की अध्यक्षता प्रख्यात राष्ट्रवादी नेता देशबंधु चित्तरंजन दास (सी. आर. दास) ने की थी। यह अधिवेशन कांग्रेस के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ था, जहाँ असहयोग आंदोलन के स्थगन के बाद विधान परिषदों में प्रवेश करने को लेकर गंभीर बहस हुई। चित्तरंजन दास और मोतीलाल नेहरू कौंसिल में प्रवेश के पक्षधर थे (परिवर्तनवादी / Pro-Changers), जबकि डॉ. राजेंद्र प्रसाद और सी. राजगोपालाचारी इसके विरोध में थे (अपरिवर्तनवादी / No-Changers)। परिषद प्रवेश का प्रस्ताव गिर जाने के बाद चित्तरंजन दास ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया और 1 जनवरी 1923 को 'स्वराज पार्टी' का गठन किया।
संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Module; NCERT History Class 8 & 10 National Movement;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W2 – दशहरा/छठ/मोहर्रम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव) के अनुसार दुर्गा पूजा मेलों, विसर्जन जुलूसों और छठ घाटों पर अत्यधिक भीड़ नियंत्रण हेतु विद्यालय बाल सुरक्षा दल और विद्यार्थियों को 'प्रवेश-निकास योजना' तथा बिजली के अस्थायी तारों के संबंध में क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: अलग प्रवेश व निकास द्वार का पालन, आपात मार्ग जानना; नंगे/लटकते तारों व लोहे के खंभों से सुरक्षित दूरी

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W2: दशहरा/छठ/मोहर्रम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव की जानकारी) के अनुसार, त्योहारों और मेलों के दौरान भीड़ प्रबंधन व विद्युत सुरक्षा के बुनियादी नियम अनिवार्य हैं: (1) किसी भी पूजा पंडाल, मेले या नदी घाट पर जाने से पूर्व हमेशा आपातकालीन निकास द्वारों (Emergency Exit Gates) को पहले ही चिन्हित कर लें; कभी भी प्रवेश द्वार से उल्टी दिशा में निकलने का प्रयास न करें, बल्कि तय एक-तरफा (One-Way) पैदल मार्ग का ही अनुपालन करें; (2) पंडालों में सजावट हेतु बिछाए गए अस्थायी विद्युत तारों, जनरेटर के खुले केबलों और लोहे के बैरिकेडिंग से हमेशा कम से कम 2-3 मीटर की सुरक्षित दूरी बनाकर रखें, क्योंकि सीलन या बारिश में लोहे के पाइपों में करंट फैलने (Electrocution) से भगदड़ की घातक घटनाएं घटती हैं; (3) अफवाहों (जैसे करंट दौड़ना या आग लगना) पर बिना पुष्टि के न चिल्लाएं और न ही अचानक पीछे की ओर भागें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W2 – दशहरा/छठ/मोहर्रम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव की जानकारी";

प्र.12. किसी वृत्त की त्रिज्या में 20% की वृद्धि कर दी जाती है। बताइए उस वृत्त के क्षेत्रफल (Area) में कुल कितने प्रतिशत की वृद्धि होगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 44%

व्याख्या: यह प्रतिशत परिवर्तन और क्षेत्रफल के संबंध पर आधारित एक अत्यंत महत्वपूर्ण, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का मानक गणितीय प्रश्न है।

वृत्त का क्षेत्रफल = πr^2 (जहाँ r वृत्त की त्रिज्या है)। क्षेत्रफल त्रिज्या के वर्ग ($r \times r$) के सीधे समानुपाती होता है। माना कि वृत्त की प्रारंभिक त्रिज्या = 100 इकाई है। प्रारंभिक क्षेत्रफल = $\pi \times (100)^2 = 10,000\pi$ वर्ग इकाई। 20% की वृद्धि के बाद नई त्रिज्या = 100 + 20 = 120 इकाई। नया क्षेत्रफल = $\pi \times (120)^2 = 14,400\pi$ वर्ग इकाई। क्षेत्रफल में कुल वृद्धि = $14,400\pi - 10,000\pi = 4,400\pi$। प्रतिशत वृद्धि = $(\text{क्षेत्रफल में वृद्धि} / \text{प्रारंभिक क्षेत्रफल}) \times 100$, प्रतिशत वृद्धि = $(4,400\pi / 10,000\pi) \times 100 = 44\%$। (वैकल्पिक संक्षिप्त सूत्र: शुद्ध प्रतिशत परिवर्तन = a + b + (ab / 100) यहाँ a = 20, b = 20 प्रतिशत वृद्धि = $20 + 20 + (20 \times 20 / 100) = 40 + 4 =$

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण।

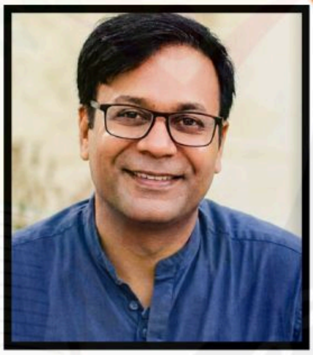

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Obstreperous (ऑब्स्ट्रेपरस) = Noisy (नॉइज़ी) = शोरगुल करने वाला / उद्दंड
   Antonym – Docile (डॉसाइल) = आज्ञाकारी / विनम्र
2. Pernicious (पर्निशस) = Harmful (हार्मफुल) = अत्यंत हानिकारक / विनाशकारी
   Antonym – Beneficial (बेनिफिशल) = लाभकारी / हितकर
3. Recondite (रेकनडाइट) = Obscure (ऑब्स्क्योर) = गूढ़ / कठिनाई से समझ में आने वाला
   Antonym – Understandable (अंडरस्टैंडबल) = आसानी से समझ में आने वाला
4. Stoic (स्टोइक) = Unemotional (अनइमोशनल) = कठिन परिस्थितियों में भावनाओं पर नियंत्रण रखने वाला
   Antonym – Emotional (इमोशनल) = भावुक / भावनाओं से प्रभावित
5. Truculent (ट्रक्युलेंट) = Aggressive (अग्रेसिव) = झगड़ालू / आक्रामक
   Antonym – Peaceable (पीसबल) = शांतिप्रिय / झगड़ा न करने वाला

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

PM Modi to visit Chennai today, unveil projects worth over ₹13,000 crore across Tamil Nadu
हिन्दी अनुवाद: प्रधानमंत्री मोदी आज चेन्नई की यात्रा करेंगे, तमिलनाडु में 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।�
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को चेन्नई की यात्रा करेंगे और तमिलनाडु में मेट्रो रेल, राजमार्ग, रेलवे, बंदरगाह, पेट्रोलियम और शिक्षा से जुड़ी 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पण और शिलान्यास करेंगे। यह यात्रा दक्षिण भारत में बुनियादी ढांचे और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। UPSC/BPSC के लिए: बुनियादी ढांचा – infrastructure; राष्ट्र को समर्पण – dedication to the nation; शिलान्यास – foundation stone laying।

Union Health Ministry observes World Mental Health Day 2026; Tele MANAS receives over 16 lakh calls since launch
हिन्दी अनुवाद: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2026 मनाया; Tele MANAS को लॉन्च के बाद से 16 लाख से अधिक कॉल मिले।�
केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया। इस वर्ष का वैश्विक विषय "Lived experiences heard: real voices, real change" है, जो मानसिक स्वास्थ्य से जूझ रहे लोगों की आवाज़ को सुनने और उन्हें नीति-निर्माण में शामिल करने पर जोर देता है। Tele MANAS (टेली मानसिक स्वास्थ्य सहायता और राज्यों में नेटवर्किंग) को लॉन्च के बाद से 16.04 लाख से अधिक कॉल मिले हैं। UPSC/BPSC के लिए: Tele MANAS – टेली मानसिक स्वास्थ्य सहायता; Mental healthcare – मानसिक स्वास्थ्य देखभाल; World Mental Health Day – विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस।

India rebukes UN rights body over Delhi protests; government defends law and order measures
हिन्दी अनुवाद: भारत ने दिल्ली विरोध प्रदर्शनों पर UN अधिकार निकाय की आलोचना की; सरकार ने कानून-व्यवस्था उपायों का बचाव किया।�
भारत ने संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार निकाय की ओर से दिल्ली में चल रहे विरोध प्रदर्शनों पर टिप्पणी को खारिज किया और सरकार के कानून-व्यवस्था उपायों का बचाव किया। सरकार ने कहा कि देश में शांति और सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए उठाए गए कदम उचित और आवश्यक हैं। UPSC/BPSC के लिए: UN Human Rights Council – संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद; Law and order – कानून-व्यवस्था; Public safety – सार्वजनिक सुरक्षा।

INTERNATIONAL NEWS

Saudi-led forces vow 'decisive' response to Houthi attack on Riyadh airport; 12 killed in attack
हिन्दी अनुवाद: सऊदी-नेतृत्व वाले बलों ने रियाद हवाई अड्डे पर हूति हमले का 'निर्णायक' जवाब देने का वादा किया; हमले में 12 की मौत।�
सऊदी-नेतृत्व वाले बलों ने रियाद हवाई अड्डे पर हूतियों के हमले का जवाब देने का संकल्प व्यक्त किया है। हमले में 12 लोग मारे गए। अमेरिका हूतियों के खिलाफ हमला करने और ईरान पर हमले फिर से शुरू करने पर विचार कर रहा है। UPSC/BPSC के लिए: Houthi rebels – हूति विद्रोही; Saudi-led coalition – सऊदी-नेतृत्व वाला गठबंधन; Riyadh – रियाद।

Iran nuclear chief says technology safe from US attacks; UN blocks US bid for 'snapback' sanctions on Iran
हिन्दी अनुवाद: ईरान के परमाणु प्रमुख ने कहा कि प्रौद्योगिकी अमेरिकी हमलों से सुरक्षित है; UN ने ईरान पर 'स्नैपबैक' प्रतिबंधों के लिए अमेरिकी प्रयास को रोका।�
ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन (AEOI) के प्रमुख मोहम्मद इस्लामी ने कहा कि देश की परमाणु प्रौद्योगिकी बाहरी हस्तक्षेप से सुरक्षित है और धमकियों, दबाव या हमलों से इसे रोका नहीं जा सकता। संयुक्त राष्ट्र ने ईरान पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को फिर से लागू करने के लिए अमेरिका के विवादास्पद प्रयास को रोक दिया। UPSC/BPSC के लिए: AEOI – ईरान का परमाणु ऊर्जा संगठन; Snapback sanctions – स्नैपबैक प्रतिबंध; UN Security Council – संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद।

Navi Pillay wins 2026 Nobel Peace Prize; Indian-origin South African jurist honoured for peace and international law
हिन्दी अनुवाद: नवी पिल्लै को 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार मिला; भारतीय मूल की दक्षिण अफ्रीकी न्यायविद को शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून के लिए सम्मानित किया गया।�
नॉर्वे की नोबेल समिति ने भारतीय मूल की दक्षिण अफ्रीकी न्यायविद और संयुक्त राष्ट्र की पूर्व मानवाधिकार उच्चायुक्त नवनेथम "नवी" पिल्लै को 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार देने की घोषणा की। समिति ने उन्हें शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए सम्मानित किया। उन्होंने युद्ध अपराधों, मानवता के विरुद्ध अपराधों और नरसंहार के मुकदमों को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। UPSC/BPSC के लिए: Nobel Peace Prize – नोबेल शांति पुरस्कार; UN High Commissioner for Human Rights – संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त; International law – अंतरराष्ट्रीय कानून।

BIHAR NEWS

Ganga erosion swallows temple and houses in Bhagalpur; 50-metre embankment damaged, 40-50 houses affected
हिन्दी अनुवाद: भागलपुर में गंगा के कटाव से मंदिर और घर निगल गए; 50 मीटर तटबंध क्षतिग्रस्त, 40-50 घर प्रभावित।�
भागलपुर जिले में गंगा नदी के किनारे अचानक कटाव से 50 मीटर तटबंध क्षतिग्रस्त हो गया और लगभग 40-50 घर प्रभावित हुए, जिनमें से पांच पूरी तरह नष्ट हो गए। एक मंदिर भी कटाव में समा गया। प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने और राहत प्रदान करने का काम शुरू किया है। UPSC/BPSC के लिए: Riverbank erosion — नदी तट कटाव; Embankment — तटबंध; Disaster relief — आपदा राहत।

Bihar weather: Rain alert in 7 districts; monsoon likely to withdraw between October 12-15
हिन्दी अनुवाद: बिहार मौसम: 7 जिलों में बारिश का अलर्ट; 12-15 अक्टूबर के बीच मानसून विदाई की संभावना।�
बिहार के सात जिलों में आज बारिश की संभावना है। केंद्रीय जल आयोग ने 11 अक्टूबर को एडवाइजरी जारी की है जिसमें भारत-नेपाल सीमा के आसपास और गंडक नदी के किनारे स्थित इलाकों के प्रशासन को अलर्ट रहने को कहा गया है। मानसून की विदाई 12-15 अक्टूबर के बीच होने की संभावना है। UPSC/BPSC के लिए: Monsoon withdrawal — मानसून विदाई; CWC — केंद्रीय जल आयोग; Rainfall alert — वर्षा अलर्ट।

SPORTS NEWS

PM Modi congratulates Indian athletes on Asian Games success; women's hockey team wins gold after four decades
हिन्दी अनुवाद: PM मोदी ने एशियाई खेलों में भारतीय एथलीटों की सफलता पर बधाई दी; महिला हॉकी टीम ने चार दशकों बाद स्वर्ण जीता।�
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियाई खेलों में भारतीय एथलीटों की शानदार सफलता पर बधाई दी और महिला हॉकी टीम के चार दशकों से अधिक समय बाद स्वर्ण पदक जीतने की सराहना की। भारत ने पुरुष हॉकी, कुश्ती, क्रिकेट, गोल्फ और तीरंदाजी में स्वर्ण पदक जीते। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games — एशियाई खेल; OCA — एशियाई ओलंपिक परिषद; Women's hockey — महिला हॉकी।

India vs West Indies 3rd T20I: Shreyas Iyer-led India take on Shai Hope's West Indies in Indore
हिन्दी अनुवाद: भारत बनाम वेस्टइंडीज तीसरा T20I: श्रेयस अय्यर के नेतृत्व वाली भारतीय टीम इंदौर में शाई होप की वेस्टइंडीज का सामना करेगी।
भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीसरा T20I मैच रविवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम शाई होप की वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। टॉस शाम 6:30 बजे IST पर हुआ। UPSC/BPSC के लिए: BCCI — भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड; T20I — Twenty20 International; Holkar Stadium — होलकर स्टेडियम।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

आज का विचार:

केवल सूचनाएँ बटोरने के पीछे मत भागिए, अपने विवेक को जागृत कीजिए। जब आपका कर्म निष्काम और मन संतुलित रहता है, तो जीवन की हर परिस्थिति आपको भीतर से एक गहरा और शांत ज्ञान दे जाती है।

प्रेरक प्रसंग

अधिकार का अर्थ

प्राचीन भारत के प्रसिद्ध चिकित्सक आचार्य चरक एक बार अपने शिष्यों के साथ औषधीय पौधों की खोज में निकले। रास्ते में उन्हें खेत की मेड़ पर एक सुंदर, विचित्र फूल दिखाई दिया। उसके औषधीय गुणों का अध्ययन करने के लिए वे फूल तोड़ना चाहते थे, लेकिन अचानक रुक गए।

एक शिष्य ने आश्चर्य से पूछा, "गुरुदेव, इस फूल को तोड़ने में क्या कठिनाई है? मैं अभी तोड़कर ले आता हूँ।"

आचार्य चरक ने समझाया, "बिना खेत के मालिक की अनुमति के हमें यह फूल नहीं तोड़ना चाहिए।"

शिष्य ने कहा, "गुरुदेव, आपको तो राजा की आज्ञा प्राप्त है। आप कहीं से भी वनस्पति ले सकते हैं। फिर खेत के मालिक से पूछने की क्या आवश्यकता है?"

चरक ने शांत स्वर में उत्तर दिया, "राजा की आज्ञा मिलना अलग बात है और किसी की संपत्ति का सम्मान करना अलग। यदि हम अपने अधिकार का उपयोग करके भूमि के मालिक की उपेक्षा करेंगे, तो हमारे नैतिक आदर्श कहाँ रहेंगे?"

यह कहकर आचार्य चरक कई मील पैदल चलकर खेत के मालिक के पास पहुँचे। उन्होंने फूल के औषधीय अध्ययन का उद्देश्य बताया और उसकी अनुमति माँगी। किसान ने सहर्ष अनुमति दी। इसके बाद ही चरक ने वह फूल तोड़ा।

प्रेरक सीख: सच्चा ज्ञान केवल बुद्धिमान होना नहीं, बल्कि अपने आचरण में नैतिकता और विनम्रता बनाए रखना भी है। अधिकार मिलने का अर्थ मनमानी करने की छूट नहीं है। दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना ही सच्चे चरित्र की पहचान है।

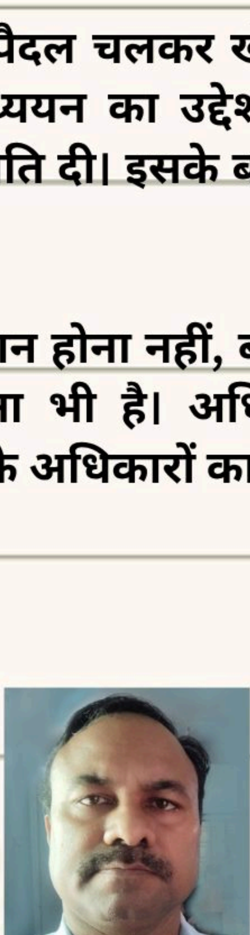

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-17

सोचो... समझो... हल करो...

	9			7			3	
7					5	9		
			4	1			8	
4							9	3
	2							
		5			2	1		4
				5			1	
	8	2				4	7	
9						8		

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"सफलता पाने के लिए सबसे बड़ी शर्त यह है कि आप कभी हार न मानें।"

— ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

1	9	4	8	7	6	5	3	2
7	6	8	3	2	5	9	4	1
2	5	3	4	1	9	6	8	7
4	1	6	5	8	7	2	9	3
3	2	9	6	4	1	7	5	8
8	7	5	9	3	2	1	6	4
6	4	7	2	5	8	3	1	9
5	8	2	1	9	3	4	7	6
9	3	1	7	6	4	8	2	5

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 4, श्लोक 38
न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।
तत्स्वयं योगसंसिद्धः कालेनात्मनि विन्दति॥

"डिकोड"

सरल हिन्दी अर्थ:

इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला वास्तव में कुछ भी नहीं है। समत्व-बुद्धि रूपी कर्मयोग में सिद्ध हुआ मनुष्य समय आने पर उस ज्ञान को अपने आप ही अपनी अंतरात्मा में पा लेता है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ जिस 'ज्ञान' की बात कर रहे हैं, वह केवल किताबों को रट लेना या सूचनाओं (Information) का ढेर नहीं है, बल्कि जीवन के यथार्थ, स्वयं के स्वरूप और सही-गलत के विवेक का बोध (Wisdom) है।

- पवित्रता का वास्तविक अर्थ (Mental Cleansing): बाहरी जल शरीर के मैल को धोता है, लेकिन मन के संशय, भय, ईर्ष्या, तनाव और पूर्वाग्रहों को केवल सत्य का ज्ञान ही धो सकता है। जिस प्रकार प्रकाश होते ही अंधकार का अस्तित्व समाप्त हो जाता है, उसी प्रकार विवेक जागते ही नकारात्मक विचार स्वतः विलीन हो जाते हैं।
- कालेन आत्मनि विन्दति (Patience & Inner Realization): ज्ञान बाहर से थोपी गई वस्तु नहीं है। जब कोई व्यक्ति निरंतर निष्काम भाव और अनुशासन से अपने कर्तव्य निभाता है (योगसंसिद्धः), तो समय के साथ परिपक्वता आने पर यह विवेक उसके भीतर से ही स्वाभाविक रूप से प्रकट होता है।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, बौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे पेरेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण● बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो ● जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

"सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

'स्वातंत्र्यवीर' विनायक दामोदर सावरकर

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे देशभक्त की गाथा सुनी है, जिन्होंने जेल की कालकोठरी में कागज़ और कलम न मिलने पर दीवारों पर कीलों और कोयले से हज़ारों पंक्तियों के महाकाव्य रच डाले? आज हम एक ऐसे ही प्रखर विचारक, ओजस्वी कवि और क्रांतिकारी की प्रेरक कहानी सुनेंगे, जिन्हें देश बड़े आदर से 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर' कहकर पुकारता है। विनायक दामोदर सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को महाराष्ट्र के नासिक ज़िले के पास स्थित भगूर गाँव के एक प्रतिष्ठित चितपावन ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री दामोदर पंत सावरकर और माता का नाम श्रीमती राधाबाई था।

नन्हे विनायक बचपन से ही गज़ब के मेधावी, साहसी और जिज्ञासु बालक थे। उन्हें बचपन में रामायण, महाभारत और छत्रपति शिवाजी महाराज के पराक्रम की कहानियाँ सुनने का बहुत शौक था। जब वे मात्र नौ वर्ष के थे, तभी उनकी पूज्य माताजी का देहांत हो गया और कुछ वर्षों बाद प्लेग की महामारी में उनके पिताजी भी चल बसे। इन गहरे आघातों के बावजूद नन्हे विनायक ने हिम्मत नहीं हारी। जब 1897 में चापेकर बंधुओं को फाँसी दी गई, तो मात्र पंद्रह वर्ष के विनायक ने अपनी कुलदेवी भगवती अष्टभुजा के सामने बैठकर हाथ जोड़कर आजीवन मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए लड़ने की पावन प्रतिज्ञा ली।

पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में पढ़ते हुए उन्होंने युवाओं को जोड़ने के लिए 'मित्र मेला' और बाद में 'अभिनव भारत' नामक गुप्त क्रांतिकारी संस्था की स्थापना की। वर्ष 1905 में उन्होंने पुणे में विदेशी कपड़ों की ऐतिहासिक होली जलाई। उच्च शिक्षा के लिए जब वे लंदन के 'ग्रेज इन' में वकालत पढ़ने गए, तो वहाँ 'इंडिया हाउस' को क्रांति का मुख्य केंद्र बना दिया। उन्होंने 1857 के संग्राम पर गहरा शोध करके प्रसिद्ध पुस्तक लिखी और सबसे पहले यह सिद्ध किया कि 1857 कोई सिपाही विद्रोह नहीं, बल्कि भारत का 'पहला स्वतंत्रता संग्राम' था। अंग्रेज़ सरकार उनके क्रांतिकारी विचारों से इतनी भयभीत हो गई कि उन्हें लंदन में गिरफ्तार कर पानी के जहाज़ से भारत लाने का फैसला किया गया। जब जहाज़ फ्रांस के 'मार्सेल्स बंदरगाह' के पास रुका, तो वीर सावरकर जहाज़ के छोटे से शौचालय के छेद से समुद्र के अथाह जल में कूद पड़े और तैरकर फ्रांसीसी तट पर पहुँच गए। उनका यह साहसिक कारनामा दुनिया भर के अखबारों की सुर्खियाँ बन गया।

अंग्रेज़ अदालत ने उन्हें दो जन्मों के आजीवन कारावास (पचास वर्ष) की कठोर सज़ा सुनाकर अंडमान की कुख्यात सेलुलर जेल (काला पानी) भेज दिया। वहाँ उनसे कोल्हू चलवाया जाता, भारी बेड़ियाँ पहनाई जातीं और अमानवीय यातनाएँ दी जातीं। परंतु फौलादी इरादों वाले सावरकर कभी नहीं टूटे। उन्होंने जेल की दीवारों पर काँटों और कीलों से कविताएँ लिखीं और कैदियों को अक्षर ज्ञान सिखाया। बाद में उन्हें रत्नागिरि में नज़रबंद किया गया, जहाँ उन्होंने जाति-पाँति और छुआछूत जैसी कुरीतियों के खिलाफ बड़ा सामाजिक आंदोलन छेड़ा। उन्होंने 'पतित पावन मंदिर' बनवाया, जिसमें सभी जातियों के लोगों को एक साथ पूजा करने का अधिकार था। 26 फरवरी 1966 को मुंबई में इस महान चिंतक ने दुनिया से विदा ली। प्यारे बच्चों, वीर सावरकर का पावन जीवन हमें सिखाता है कि कठिन से कठिन परिस्थिति में भी आशा मत छोड़ो, ज्ञान और कलम की शक्ति को पहचानो तथा देश और समाज की एकता के लिए सदैव समर्पित रहो।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 **-9939671700**

आज का विचार:

केवल सूचनाएँ बटोरने के पीछे मत भागिए, अपने विवेक को जागृत कीजिए। जब आपका कर्म निष्काम और मन संतुलित रहता है, तो जीवन की हर परिस्थिति आपको भीतर से एक गहरा और शांत ज्ञान दे जाती है।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org